# Jijamata Education Society's

## College of B.Sc. Nursing,

Nandurbar, Tal. Dist. Nandurbar-425412 (Maharashtra)

# Annexure – III

# Trust Dead/Bylaws/Registration Certificate

ANNEXURE- III

**Maharashtra University of Health Sciences, Nashik**

**Following documents need to available on web site**

***Trust Deed / Bylaws/ Registration Certificate (Trust / Hospital (Bombay Nursing Act))***

**Faculty- Nursing (B.Sc. Nursing)**

**Name of College/Institute- Jijamata Education Society's College Of B.sc Nursing Nandurbar**

| | | |
|---|---|---|
| Name of Trust / Society | | Jijamata Education Society's Nandurbar |
| Registration Certificate **To be uploaded on web site clear and original copy** | | Trust / Society :- **To be uploaded on web site** |
| | | Trust Deed / Bylaws:- **To be uploaded on web site** |
| | | Hospital Ownership Documents:- Own |
| | | Hospital (Bombay Nursing Act) :- **To be uploaded on web site** |
| | | MPCB Certificate of Parent Hospital :- **To be uploaded on web site** |
| Hospital Type as Per Bombay Nursing Act :- | | |
| Hospital (Bombay Nursing Act) issuing Authority :- | | |
| Hospital Bed as per Certificate:- | | |
| Name of the College / Institute (As per First Affiliation letter) | : | Jijamata Education Society's College of B.Sc. Nursing Nandurbar |
| Address | : | Waghoda Road Nandurbar Tal Dist Nandurbar |
| Email ID | : | jijamatabscnursing@gmail.com |
| Telephone / Mobile No.(s) | : | 02564297438 |
| Website | : | Jijamatabscnursing.edu.in |
| College Code | : | 153146 |

**Here by I declare all relevant document uploaded are clear and visible on web site & are true as per my best knowledge**

**Any Other, Please Specify: -**

______________________________

______________________________

______________________________

______________________________

______________________________

______________________________

**Date:-**

**Dean/ Principal Stamp& Signature**

PRINCIPAL
Jijamata Eduction Society's
College of B.Sc.Nursing
Waghoda Road, Nandurbar

www.jijamataeducation.org

JES

# Jijamata Education Society

[ Registered under societies registration act 1860 No. MAH 1100 Dhule Registered under Bombay Public act. 1950 No. f 1058 Dhule]

**Smt.Shobhatai Dilip More**
President

**Late.Dr. Dilip More**
Founder President

**Dr.Abhijit Dilip More**
Secretory

Ref. No. JES/

Date -

## RESOLUTION

Subject :- Opening of New Health Sciences Colleges in the Faculty of Nursing from the academic year 2022-2023

Resolution :- No. 05 Dated :- 02/09/2021

In view of the above subject this management of Jijamata Education Society in it's meeting held on 02/09/2021 resolved.

Unanimously that the Health Sciences College in the Faculty of Nursing be started at P.O. Box - 04, S. No. 5/2/2, Waghoda Road, Nandurbar, Tal. & Dist. Nandurbar in the Name **"Jijamata Education Society's College of B.Sc. (Nursing)"** from the academic year 2022-2023.

Resolution Proposed by - Dr. Vikrant Diliprao More

Seconded by - Shri. Jagdish Kashinath Jaiswal

Date :- 04 /09/ 2021

Jijamata Shikshan Sanstha, Nandurbar 425412 Reg.No. MAH/1100

Smt. Shobhatai Diliprao More
PRESIDENT
Jijamata Shikshan Sanstha
Nandurbar 425412

धि.वि.व./प्र.प्र./कृ.मा.वि/२ म

## नोंदणीचे प्रमाणपत्र

याद्वारे प्रमाणपत्र देण्यात येते की, खाली वर्णन केलेली सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था ही आज, मुंबई सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम, १९५० (सन १९५० चा मुंबई अधिनियम क्रमांक २९) या अन्वये जळगाव विभाग जळगाव येथील सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था नोंदणी कार्यालयात योग्य रीतीने नोंदण्यात आलेली आहे.

सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्थेचे नाव श्री जिजामाता शैक्षणिक संस्था, नंदुरबार

सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्थांच्या नोंदणी पुस्तकातील क्रमांक एफ/१०५८/धुळे

अध्यक्ष यांस प्रमाणपत्र दिले.

आज दिनांक १९/५/८८ रोजी माझ्या सहीनिशी दिले.

शिक्का

सही

सहाय्यक धर्मादाय आयुक्त

जळगाव विभाग, जळगाव

(Spl.-CC.)IPT 50

№ 12909

# CERTIFICATE OF REGISTRATION

## THE SOCIETIES REGISTRATION ACT, 1860

## (ACT XXI OF 1860)

Registration No. महाराष्ट्र / ११०० / धुळे

IT IS HEREBY CERTIFIED THAT ... श्री: ओजाधाना शैक्षणिक संस्था

........ नंदुरबार ........

..........................................................

has this day been duly registered under the Societies Registration Act XXI of 1860.

Given under my hand this १८/३/८८ ~~day of~~ ~~198~~

Assistant Registrar of Societies.

........ [illegible] Region. [illegible]

03

[ विशेष–त्र. आ. ( मुं. सा. वि. ) २-म.

27

सत्यमेव जयते

# नोंदणीचे प्रमाणपत्र

## DUPLICATE

याद्वारे प्रमाणपत्र देण्यात येते की, खाली वर्णन केलेली सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था ही आज, मुंबई सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था अधिनियम, १९५० (सन १९५० चा मुंबई अधिनियम क्रमांक २९) या अन्वये नंदुरबार येथील सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था नोंदणी कार्यालयात योग्य रीतीने नोंदण्यात आलेली आहे.

सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्थेचे नाव श्री. जिजामाता शैक्षणिक संस्था, नंदुरबार ता. जि. नंदुरबार

सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्थांच्या नोंदणी पुस्तकातील क्रमांक एफ - 1058/धुळे (F-282 नंदुरबार)

श्रीमती शोभाताई दिलीपराव मोरे यांस प्रमाणपत्र दिले.

आज दिनांक 30/5/२०१८ रोजी माझ्या सहीनिशी दिले.

शिक्का

सही ........ 30/5/18
सहाय्यक धर्मादाय आयुक्त
पदनाम नंदुरबार विभाग नंदुरबार

## Governing Body

| Sr. No. | Full Name | Address | Designation |
|---|---|---|---|
| 01 | Smt. Shobhatai Diliprao More | 105, Girivihar Society, Nandurbar | President |
| 02 | Dr. Vikrant Diliprao More | 105, Girivihar Society, Nandurbar | Vice-President |
| 03 | Dr. Abhijeet Diliprao More | 105, Girivihar Society, Nandurbar | Secretary |
| 04 | Mr. Madhavrao Ramchandra Porje | 11, Nakshtraroh Bunglaw, Shiv Samarth Nagar, Near RTO Office, Panchavati, Nashik | Treasurer |
| 05 | Mr. Ramesh Madhavrao Porje, | 11, Nakshtraroh Bunglaw, Shiv Samarth Nagar, Near RTO Office, Panchavati, Nashik | Member |
| 06 | Adv. Rau Diliprao More | 105, Girivihar Society, Nandurbar | Member |
| 07 | Mr. Jagdish Kashinath Jaiswal | Jalka Bazar, Shivaji Road, Nandurbar | Member |

**PRINCIPAL**
Jijamata Eduction Society's
College of B.Sc Nursing
Waghoda Road, Nandurbar

Ex.3



-: विधानपत्र -:

१) संस्थेचे नांव :श्री·जिजामाता शैक्षणिक संस्था, नंदुरबार ·

२) संस्थेचा पत्ता :द्वारा-सौ·कमलाबाई हॉस्पिटल, स्टेशनरोड नंदुरबार· ता·नंदुरबार जि·धुळे·

३) संस्थेचे कार्यक्षेत्र :संपुर्ण महाराष्ट्र·

४) संस्थेचे उद्देश :१) ग्रामीण, आदिवासी व शहरी भागातील नागरिकांचे सर्वांगीण कल्याण करण्यासाठी सामाजीक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक योजना राबविण्याचा प्रयत्न करणे·

:२) नागरिकांमध्ये सामाजिक व राष्ट्रीय एकतेची भावना निर्माण करणे·

:३) नागरिकामधिल दुर्बल घटकांना आर्थिक व इतर स्वरुपाची मदत करणे·

:४) शिक्षणाचा प्रसार करण्यासाठी बालवाडी, प्रा·शाळा, माध्यमिक शाळा व महाविद्यालयीन शिक्षणाची सोय करणे, तांत्रिक व वैद्यकिय शिक्षणाची सोय उपलब्ध करुन देणे· त्यासाठी वस्तीगृह शाळा महाविद्यालये चालविणे·

:५) ग्रामीण भागात वाचनाची व लेखनाची आवड निर्माण करणे, त्यासाठी वाचनालय, ग्रंथालय चालविणे, चर्चा सत्र भरविणे, वादविवाद स्पर्धा, निबंध स्पर्धांचे आयोजन करणे, गणेशोत्सव शिवजयंती, धार्मिक सण, उत्सव, जयंती व पुण्यतिथी साजरी करणे·

:६) युवकांमध्ये वेगवेगळया खेळाची आवड निर्माण करणे त्यासाठी व व्यायामशाळा काढणे, तसेच वेगवेगळया खेळांबाबत युवकांना, प्रशिक्षण देणे-;उदा:- कबड्डी, क्रिकेट, व्हॉलिबॉल, टेबल, टेनिस वत्यासाठी साहित्य क्रिडांगणे उपलब्ध करुन देणे, कुस्तीचे आयोजन करणे, पैलवांनाचे संमेलन भरविणे, स्टेडियम उभारणे·

:७) वैद्यकिय शिबिर भरविणे·

:८) गरिब व होतकरु विद्यार्थ्यांना पुस्तके, वहया बक्षिसे आर्थिक सहाय्य व शिष्यवृत्या देण्याचा प्रयत्न करणे·

··२··

अर्ज क्र 402/23
अर्जदाराचे नाव डॉ. अभिजित दिलीपराव मोरे
नक्कल सेवा शुल्क रुपये 64/रु
पैसे भरण्याचा दिनाक 31/08/2023

नक्कल अर्ज आल्याचा दि 28/08/2023
नक्कल तयार दिनांक
नक्कल दिली दिनांक 31/08/2023
पैसे भरणा घेतलेला दिनांक

अधिक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय
नंदुरबार विभाग, नंदुरबार

५) संस्थेचे नियमावलीप्रमाणे सुव्यवस्थित चालविण्य.
यासाठी आम्ही पहिले कार्यकारी मंडळ निवडले
असुन त्याचे पहिले सभासद खालील प्रमाणे आहे

| अ.नं. | नांव | वय | पत्ता | हुद्दा | सही |
|---|---|---|---|---|---|
| १) | श्री.डॉ.दिलीप मोठाभाऊ मोरे | ३५ | स्टेशनरोड, नंदुरबार. | अध्यक्ष | |
| २) | श्री.डॉ.भालचंद्र सावळीराम गायकवाड | ४२ | --"-- | उपाध्यक्ष | |
| ३. | सौ.कमलाबाई मोठाभाऊ मराठे | ५८ | --"-- | खजिनदार | Ms K. M. Marathe |
| ४. | सौ.शोभा दिलीप मोरे | २८ | १,बविद्यानगर, नंदुरबार. | चिटणीस, | Mrs. S. D. More |
| ५) | श्री.मोठाभाऊ तुकाराम मराठे | ६८ | स्टेशनरोड, नंदुरबार | सभासद. | |
| ६) | श्री.राजन कुंजीराम नायर | २८ | सिंधी कॉलनी, नंदुरबार. | ---"--- | |
| ७) | सौ.डॉ.विजया भालचंद्र गायकवाड | ३७ | स्टेशनरोड, नंदुरबार. | ---"-- | |

६) आम्ही खालील सह्या करणारे ज्यांची नांवे, पत्ते दर्शविली आहेत ते सर्वजण संस्था सोसायटी नोंदणी कायदा १८६० अन्वये नोंदवु इच्छितो.

| अ.नं. | नांव | :-पत्ता :- | व्यवसाय | सही |
|---|---|---|---|---|
| १) | श्री.डॉ.दिलीप मोठाभाऊ मोरे | स्टेशनरोड, नंदुरबार. | वैद्यकिय | |
| २) | श्री.डॉ.भालचंद्र सावळीराम गायकवाड. | --"-- | ---"--- | |
| ३) | सौ.कमलाबाई मोठाभाऊ मराठे. | ---"--- | ---"--- | Ms. K. M. Marathe |
| ४) | सौ.शोभाबाई दिलीप मोरे. | १ ब, विद्यानगर, नंदुरबार. | घरकाम | Mrs. S. D. More |
| ५) | श्री.मोठाभाऊ तुकाराम मराठे | स्टेशनरोड, नंदुरबार- | शेती. | |
| ६) | श्री.राजन कुंजीराम नायर | सिंधी कॉलनी, नंदुरबार. | नोकरी. | |
| ७) | सौ.डॉ.विजया भालचंद्र गायकवाड | स्टेशनरोड, नंदुरबार. | वैद्यकीय. | |

वरील सह्या आम्ही ओळखतो.

ठिकाण:- नंदुरबार.

दिनांक:- ३/२/१९८९

अध्यक्ष

उपाध्यक्ष

Mrs. S. D. More
चिटणीस.

31/8/23
अधिक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय
नंदुरबार विभाग नंदुरबार

अधिक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय
नंदुरबार विभाग नंदुरबार

## :- नि य मा व ली -:

१) संस्थेचे नांव :श्री·जिजामाता शैक्षणिक संस्था,नंदुरबार·

२) संस्थेचा पत्ता· :-द्वारा-सौ·कमलाबाई हॉस्पिटल,स्टेशनरोड,नंदुरबार,जि·धुळे·

३) कार्यक्षेत्र :- संपुर्ण महाराष्ट्र·

४) संस्थेचे हिशोबाचे वर्ष :- संस्थेच्या हिशोबाचे वर्ष ३१ मार्च अखेर राहिल·

५) सभासदत्व :-वय १८ वर्ष पुर्ण झालेल्या कोणत्याही व्यक्तिस(स्त्री) पुरुषास संस्थेचे सभासद होता येईल·

१) सभासदाचे प्रकार खालील प्रकारें राहातील·

२) आश्रयदाता सभासद१००१-रुपये जी व्यक्ति एकठोक देईल·

३) सामान्य सभाषद-जी व्यक्ति संस्थेला प्रति वर्षी रुपये ५१ वर्गणी व ५१ रु·प्रवेश फि देईल अशा व्यक्तिस सामान्य सभासदत्व दिले जाईल·

४) सभासदासाठी अटी-:

(अ) सभासद होऊइच्छिणा-या व्यक्तिने संस्थेने विहित केलेल्या नमुन्यात अर्ज केला पाहिजे·अर्जासोबत संबधीत प्रकारची देणगी अथवा फि किंवा वर्गणी अध्यक्षाकडे किंवा संस्थेच्या खजिनदाराकडे रोख भरली पाहिजे·

(ब) अर्ज केल्यावर व संबंधित फी भरल्यावर आपण संस्थेचे सभासद झालो असे मानता कामा नये·सदर आलेल्या अर्जाची छाननि होऊन संबधित अर्जास कार्यकारी मंडळाने स्विकृत्ती दिली पाहिजे·तेव्हांच सभासदत्व ग्राहय धरले जाईल·म्हणजे कोण्त्या व्यक्तिस सभासद करुन घेणे वा न करुन घेणे हा अधिकार कार्यकारी मंडळाच्या कक्षेतला मानला जाईल·

६) सभासदत्व खालील कारणांनी रद्द होऊ शकते·

१) सभासद दिवंगत झाल्यास,

२) राजिनामा दिल्यास व तो कार्यकारी मंडळाने स्विकृत केल्यास अशा सभासदाचे सभासदत्व रद्द होऊ शकतें·

३) कार्यकारी मंडळाचा ५ सभांना सतत लागोपाठ ५ वेळा गैरहजर राहिल्यास मंडळाच्या सभासदाचे सभासदत्व रद्द होऊ शकते·तसेच कार्यकारी मंडळाचा पुर्व परवानगि शिवाय सतत एक वर्ष परवानगि न घेता गैरहजर राहिल्यास·

४) सभासदाला न्यायालयाने नादार ठरविल्यास·

५) त्याच्यावर न्यायालयात नैतिक गुन्हयाचा अथवा फौजदारी गुन्हयाचा आरोप शाबित झाल्यास त्याला शिक्षा झालेली असल्यास.

६) त्याने सदर संस्थेच्या नियमावलीचे उल्लंघन केल्यास व तो संस्थेच्या हितास बाध आणणारे असल्यास वर्तन केल्यास.

टिप:-वरील नियम कार्यकारी मंडळाचा सभासदांना पण लागु होतील.

(७)कार्यकारी मंडळ : संस्थेचे पहिले कार्यकारी मंडळ संस्था नोंदविल्यापासुन पांच वर्ष अधिकारावर राहिल.त्या नंतरच्या येणाऱ्या प्रत्येक कार्यकारी मंडळाची निवड प्रती ५ वर्षांनी सर्व साधारण सभातुन करण्यात येईल.सर्व साधारण सभेने निवडुन दिलेले कार्यकारी मंडळ आपआपसात बहुमताने ,अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,चिटणीस(सेक्रेटरी)व खजिनदार इ.पदाधिकाऱ्यांची निवड करील.कार्यकारी मंडळात कमीत कमी ७ व जास्तीत जास्त ११ सभासंदाचा समावेश राहिले.कार्यकारी मंडळाची निवड सर्वसाधारणसभेत गुप्त मतदान पध्दतीने होईल.तसेच कार्यकारी मंडळाच्या मुदतीचा आतमध्ये कोणत्याही कारण ास्तव एकाधी जागा रिकामी झाल्यास पुढील कालावधि साठी पुढील पद स्विकृत सभासद(को.ऑप)करुन घेण्यात येईल

(९)कार्यकारी मंडळाची सभा. कार्यकारी मंडळाच्या वर्षातुन कमीत कमी ३(तिन)सभा होतील.कार्यकारी मंडळाचा सभेत ४ सभासद जेंव्हा कार्यकारि मंडळाची सभासद संख्या ७ असेल तेंव्हा गणसंख्या पुर्ण होईल व जेंव्हा ११(आकरा)सभासद होतील असतील तेंव्हा ६सभासद उपस्थित असतील तेंव्हा गणसंख्या पूर्ण होईल.गण संख्याच्या अभावी जर सभा तहकुब होत असेल तर त्याच ठिकाणी अर्धा तासाने सभा घेण्यात येईल.परंतु अशा सभेस कार्यक्रम पत्रिकेत नमुद असलेल्या विषया क्षेरिज चर्चा करता येणार नाही.या सभेस आठ दिवसाची अगोदर नोटिस दिली जाईल.नोटीस अंडरपोष्टल सर्टिफिकेटने पाठविली जाईल.

१०)वार्षिकसर्वसाधारण सभा. (१)संस्थेचे आर्थिक वर्ष संपल्यांनतर दोन महिन्याच्या आतं वार्षिक सर्वसाधारण सभा घेतली जाईल.त्यास विषेष सर्व-

२) साधारण सभा असे संबोंधिण्यात येईल.

३)वरील दोन्ही सभेस१०दिवसाची आगऊ नोटिस त्याच्या पत्यावर अंडर पोष्टाने अथवा समक्ष पाठविली जाईल. त्यावर सभेचे ठिकाण वेळ,व दिंनाक लिहिलेलि असेल.

११) वार्षिक सभेतील कामे:-

१) मागील सभांचे वृत्तांत व निर्णय वाचुन मंजुर करणे.

२) वार्षिक अंदाज पत्रक जमाखर्चाचे अहवाल चर्चा करून मंजूर करणे.

३) संस्थेचा वार्षिक सर्व खर्च मंजुर करणे व वार्षिक अहवाल मंजुर करणे,कार्यकारीणी च्या आर्थिक व धोरणात्मक ठरावांना मंजुरी देणे.

४) मुदत संपली असल्यास,कार्यकारी मंळाची निवड करणे(पुढील पाच वर्षासाठी.)

५) लेखापाल अथवा सी.एस.यांची नेमणुक करणे. त्याचे मानधान निश्चित करणे.

६) आयत्या वेळी येणा-या व निर्माण होणा-य व निर्माण होणा-या समस्यांवर अथवा वि-विषयांवर चर्चा करून निर्णय घेणे.

७) आवश्यक झाल्यास गरजे नुसार व बदलत्या कालानुरूप नियमावलीत बदल करणे.संस्था बरखास्त करण्याबाबत चर्चा वार्षिक सभेतच होईल.

८) स्थावर जंगम मालमत्ता खरेदी करणे, विकणे,त्यावर इमारती बांधणे.

९) संस्थेचे इतर कार्यासाठी पोट समित्या नेमणे व तो अधिकार कार्यकारी मंळाला बहाल करणे.

१०) संस्थेचा शाळेत कॉलेज मध्ये अन्य शाखा मध्ये नोकर वर्ग नेमणेक,व त्यासाठी कार्य-कारी मंळास भरती करण्याचा अधिकार देणे शासकिय नियमाप्रमाणे नोकरावर अन्याय होत नाही या बाबत दक्षता घेणे.

११) कायद्याने जे काही करता येईल ते करणे.

१२) कार्यकारी मंळाची जागा रिकामी झाल्या स,ती बहुमताने भरून काढणे.

१२) निर्णय :- कोणत्याही सभेत कोणताही निर्णय साधारण मताधिक्याने घेतले जातील,परंतु जर समसमान

मते पडली तर अशा वेळी अध्यक्ष आपल्या(कास्टिंग व्होट) निर्णायक मत देऊन तो निर्णय निकालीकाढतील

१३) अध्यक्षस्थान :- वार्षिक साधारण सभा व विशेष सर्वसाधारण सभा व कार्यकारी मंडळाची सभा व वेळोवेळी सर्व होणा-या सभांचे अध्यक्षस्थान संस्थेचे अध्यक्ष स्विकारतील, त्यांचा गैर हजेरीत उपाध्यक्ष स्विकारतील. वरील दोन्ही गैरहजर राहिल्यास चिटणीस सभेस कामकाज चालवतील, परंतु तिन्ही गैरहजर राहिल्यास अध्यक्ष सुचवतील ती व्यक्ति कामकाज चालवील. परंतु ती व्यक्ति कार्यकारी मंडळातील सभासद असली पाहिजे.

१४) सभा वृत्तांत:- कार्यकारी मंडळाच्या सभा, सर्वसाधारण व विशेष सर्वसाधारण सभा यांचे वृत्तांत स्वतंत्र अशा दोन वेगवेगळ्या पुस्तकात नमुद केले जाईल. नंतरचा सभेत अशा वृत्तांतास मंजुरी घेण्यात येईल.

१५)पदाधिकाऱ्यांची कामे:-

१)अध्यक्ष-: सर्व सभा व्यवस्थित चालविणे, त्यांचे संचलन करणे, अध्यक्षस्थान स्विकारणे.

२)संस्थेचा कामकाजावर नियंत्रण ठेवणे.

३)सभे मध्ये समान मत विभागणी झाल्यास निर्णायक जादा मत देण्याचा अधिकार बजाविणे.

२)उपाध्यक्ष:- अध्यक्षांच्या अनुपस्थितीत वरील सर्व कामकाज पाहणे, सभा संचालनासाठी अध्यक्षांचा कामकाजात मदत करणे

३)खजिनदार:- चिटणीसाच्या कामांना सहाय्य करणे, पैश्यांच्या व्यवहारावर देखरेख ठेवणे.

४)चिटणीसांची कामे:-कार्यकारी मंडळाच्या वतीने कार्यकारी मंडळास जबाबदार राहून संस्थेचा दैनंदिन तसेच खालील कामे चिटणीसांनी पाहावयाची आहेत.

१)संस्थेचे अध्यक्षांच्या मदतीने संस्थेचे हिशोब ठेवणे,

२)संस्थेचे मालमत्तेचे रक्षणासाठी देखरेख ठेवणे, ती सांभाळणे.

३)वेगवेगळ्या सभांचे वृत्तांत लिहिणे वा लिहून घेणे.

४) संस्थेचे दप्तर ठेवणे, सांभाळणे, अहवाल तयार करणे कार्यकारी मंडळाच्या वतीने, कार्यकारी मंडळास विश्वासात घेऊन पत्रव्यवहार करणे.

५)कार्यकारी मंडळ नेमुण देईल त्या त्या कक्षेत व अधिकारात संस्थेचे सर्व कामकाज करणे वा करवुन घेणेक

६)दैनंदिन खर्चासाठी रुपये ५०० पर्यंत रोख रक्कम हाती ठेवणे, मात्र सदर रकमेचा बाबतीत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष किंवा कार्यकारी मंडळाच्या सभासदाने जर तपासणी घेतली तर त्यांना तात्काळ हिशोब देणे, किंवा खुलासा देणे, चिटणीसाचे प्रथम कर्तव्य असेल.

१६) आर्थिक व्यवहार:- :संस्थेचे कडे येणा-या निधि पैकी चिटणीसाकडे दैनंदिन रकमेचे खेरीज बाकीची रक्कम कोणत्याही राष्ट्रीय कृत बँकेत अथवा शेड्युल बँकेत अथवा कलम १५ अन्वये मान्यता प्राप्त बँकेत अथवा पोष्टात संस्थेचे नांवाने खाते उघडुन ठेवले जाईल.सदर खाते अध्यक्ष व चिटणीस किंवा अध्यक्ष व खजिनदार यांचे संयुक्त हिस्सा सहीने चालविले जाईल.

१७)संस्थेचा निधी:- :-संस्थेचा निधी:संस्थेचा निधी खालीलप्रमाणे वाढविला जाईल.

१)देणग्या घेवुन.

२)शासकिय व निमशासकिय अनुदाने स्विकारुन.

३)धर्मादाय खेळ,करमणुकीचे कार्यक्रम करुन निधी वाढविला जाईल.

४)लकी ड्रा वगैरे.

१८)नियमावलीत बदल करणे:-या नियमावलीत बदल करणे, नविन नियमाप्रमाणे झाल्यास वार्षिक.सर्वसाधारण अथवा विशेष सर्व साधारण सभेत दोन तृतिंयाश सभासदांच्या मताधिक्याने करता येईल.परंतु उद्देशात बदल करणे झाल्यास संस्था नोंदणी अधिनियम १८६० मधिल कलम १२ चा अवलंब`ला जाईल.

१९)संस्थेचे विसर्जन:- विसर्जन करणे झाल्यास संस्था नोंदणी अधिनियम १८६०चा कलम १३ व १४ प्रमाणे कार्यवाही केली जाईल व तसे सहाय्यक संस्था निबंधक यांना कळविले जाईल.तसेच संस्थेची सर्व देणे देऊन रक्कम अथवा माल मत्ता शिल्लक राहिल्यास समान उद्देश असलेल्या आणि संस्था नोंदणी अधिनियम १८६०अन्वये नोंदले गेलेल्या संस्थेत सदर संस्था विलीन करण्यात येईल.

(७)

आमच्या माहितीप्रमाणे वरील नांवाची दुसरी संस्था नंदुरबार ता· नंदुरबार जि·धुळे येथे अस्तित्वात नाही·

तसेच वरील नियमावली आम्ही खालील सहया करणांरानी वाचुन खरी बरोबर असल्याबद्दल प्रमाणित करीत आहोत·

| | | |
|---|---|---|
| अध्यक्ष | उपाध्यक्ष | चिटणीस· |

खरी प्रत नक्कल

31/8/23

अधिक्षक

सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय
नंदुरबार विभाग,नंदुरबार

31/08/2023
नक्कल तयार करणार

www.jijamataeducation.org

J

# Jijamata Education Society

[ Registered under societies registration act 1860 No. MAH 1100 Dhule Registered under Bombay Public act. 1950 No. f 1058 Dhule]

**Smt.Shobhatai Dilip More** President | **Late.Dr. Dilip More** Founder President | **Dr.Abhijit Dilip More** Secretory

Ref. No. JES/491/2023-24 Date - 17/8/2023

## PHILOSOPHY

The **Jijamata Education Society's College of B.Sc. Nursing, Nandurbar** believes that:

Health and wellness are two fundamental concepts that are integrated throughout the program. Health is a state of well-being that encompasses physical, psychological, social, economic and spiritual dimensions. Wellness is the individual's perception of wellness and is influenced by the presence of disease and individual's ability to adapt. Health is a right of all people. Individuals have a right to be active participants in achieving health as they perceive it. Society consists of dynamic and interactive systems involving individuals, families, groups and communities. Cultural diversity, race, caste, creed, socio economic levels, religion, lifestyles, changes in environment and political factors influence it. Nurses and midwives recognize and respect human differences and diversity of population within society and provide ethical care with respect and dignity and protect their rights.

Nursing as a profession and a discipline utilizes knowledge derived from arts, sciences (physical, biological and behavioral), humanities and human experience. Nursing science incorporates clinical competence, critical thinking, communication, teaching learning, professionalism, and caring and cultural competency. Nurses collaborate with other health disciplines to solve individual and community health problems. Nursing facilitates evidence-based practice, compassionate caring among its practitioners in response to emerging issues in healthcare and new discoveries and technologies in profession. Nursing practice requires personal commitment to professional development and life-long learning. Scope of nursing and midwifery practice encompasses provision of promotive, preventive, curative and rehabilitative aspects of care to people across the life span in a wide variety of healthcare settings. Nursing practice is based on acquisition of knowledge, understanding, attitude, competencies and skills through the Council's curricular and practice standards. The competencies in which the students are trained will guide them in performing their scope of practice. Nursing offers qualified nurses and midwives a wealth of opportunities in the field of practice, education, management and research in India and overseas.

The undergraduate nursing program is broad based education within an academic curricular framework specifically directed to the development of critical thinking skills, competencies appropriate to human and professional values. Blended learning approach comprising of experiential learning, reflective learning, and scenario based learning and simulated learning is also inbuilt. The teaching learning process encourages mastery learning, modular, self-directed and self accountable in choice making in terms of elective courses. The program prepares its graduates to become exemplary citizens by adhering to code of ethics and professional conduct at all times in fulfilling personal, social and professional obligations so as to respond to national aspirations. Health and community orientation are provided with special emphasis on national health problems, national health programs and national health policy directives to achieve universal health care for all citizens of India. The main roles of graduates would be provider of care with beginning proficiency in delivering safe care, coordinator/manager of care by being active participant of inter-professional team and member of a profession demonstrating self responsibility and accountability for practice as well as to support the profession.

The faculty has the responsibility to be role models and create learning environment that facilitates cultivation of critical thinking, curiosity, creativity and inquiry driven self- directed learning and attitude of life-long learning in students. Learners and educators interact in a process whereby students gain competencies required to function within their scope of practice.

J.E.S.'S COLLEGE OF B.SC NURSING NANDURBAR

Principal
Jijamata Education Society's
College of B.Sc Nursing
Nandurbar,Tal& Dist. Nandurbar

Address - 115, Girivihar Colony, Nandurbar. 425 412 (M.S.) ☎ Telefax : (R) 232685 (O) 232832
E-mail : contactusjes@gmail.com

www.jijamataeducation.org

# Jijamata Education Society

[ Registered under societies registration act 1860 No. MAH 1100 Dhule   Registered under Bombay Public act. 1950 No. f 1058 Dhule]

**Smt.Shobhatai Dilip More**
President

**Late.Dr. Dilip More**
Founder President

**Dr.Abhijit Dilip More**
Secretory

Ref. No. JES/492/2023-24

Date - 17/8/2023

## AIMS & OBJECTIVES

**AIMS:** The aims of the undergraduate program are to

a. Produce knowledgeable competent nurses and midwives with clear critical thinking skills who are caring, motivated, assertive and well-disciplined responding to the changing needs of profession, healthcare delivery system and society.

b. Prepare them to assume responsibilities as professional, competent nurses and midwives in providing promotive, preventive, curative and rehabilitative healthcare services in any healthcare setting.

c. Prepare nurses and midwives who can make independent decisions in nursing situations within the scope of practice, protect the rights of individuals and groups and conduct research in the areas of nursing practice and apply evidence- based practice.

d. Prepare them to assume role of practitioner, teacher, supervisor and manager in all healthcare settings.

**OBJECTIVES** On completion of the B.Sc. Nursing program, the B.Sc. nursing graduates will be able to

1. Utilize critical thinking to synthesize knowledge derived from physical, biological, behavioral sciences, and humanities, in the practice of professional nursing and midwifery.
2. Practice professional nursing and midwifery competently and safely in diverse settings, utilizing caring, critical thinking and therapeutic nursing interventions with individuals, families, populations and communities at any developmental stage and with varied lived health experiences.
3. Provide promotive, preventive and restorative health services in line with national health policies and programs.
4. Integrate professional caring into practice decisions that encompass values, ethical, and moral and legal aspects of nursing.
5. Respect the dignity, worth, and uniqueness of self and others.
6. Apply concepts of leadership, autonomy and management to the practice of nursing and midwifery to enhance quality and safety in health care.
7. Utilize the latest knowledge and skills related to information and technology to enhance patient outcomes.
8. Communicate effectively with patients, peers, and all health care providers.
9. Utilize the requisite knowledge, skills and technologies to practice independently and collaboratively with all health professionals applying the principles of safety and quality improvement.
10. Integrate research findings and nursing theory in decision making in evidence-based practice.
11. Accept responsibility and accountability for the effectiveness of one's own nursing and midwifery practice and professional growth as a learner, clinician and leader.
12. Participate in the advancement of the profession to improve health care for the betterment of the global society.

J.E.S.'S. COLLEGE OF B.SC.NURSING NANDURBAR

Principal
Jijamata Education Society's
College of B.Sc Nursing
Nandurbar,Tal& Dist. Nandurbar

Address - 115, Girivihar Colony, Nandurbar. 425 412 (M.S.) ☎ Telefax : (R) 232685 (O) 232832
E-mail : contactusjes@gmail.com

www.jijamataeducation.org

# जिजामाता शिक्षण संस्था

[ Registered under societies registration act 1860 No. MAH 1100 Dhule Registered under Bombay Public act. 1950 No. f 1058 Dhule]


कै.डॉ. दिलीप मोठाभाऊ मोरे
संस्थापक अध्यक्ष

श्रीमती शोभाताई दिलीप मोरे
अध्यक्षा

डॉ.अभिजीत दिलीप मोरे
सेक्रेटरी


संदर्भ. नं.–जिशिसं/494/2023-24 दिनांक : 17-08-2023

**College Name:** Jijamata Education Society's College of B.Sc. Nursing, Nandurbar

**Organizational Chart**

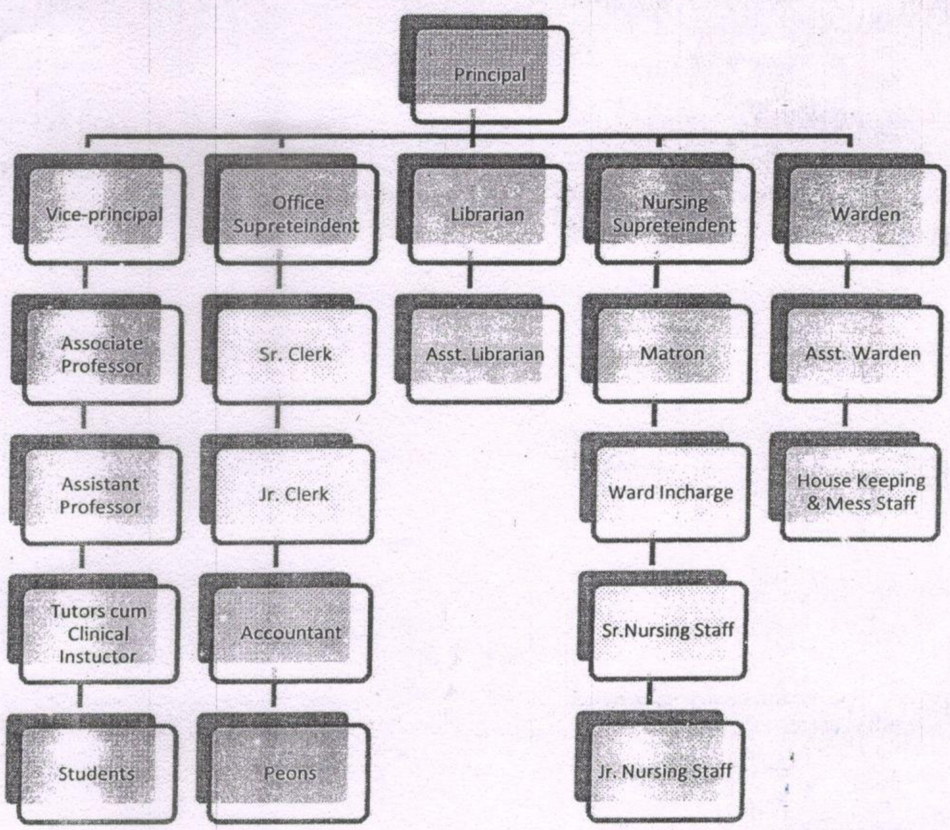


J.E.S.'S. COLLEGE OF B.SC.NURSING ★ NANDURBAR

Principal
Jijamata Education Society's
College of B.Sc Nursing
Nandurbar, Tal. & Dist. Nandurbar


११५, गिरीविहार कॉलनी, नंदुरबार. ४२५ ४१२ जि.नंदुरबार (महा.) ☎ (०२५६४) निवास : २३२६८५ ऑफीस : २३२८३२
E-mail : contactusjes@gmail.com